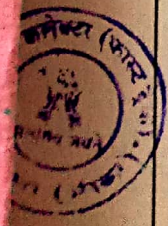


न्यायालय उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट खण्डेला


पक्षी नाम ..... वगैरे ..... बनाम ..... र. यशपाल वगैरे .....  
 मुकदमा नं. ..... मुकदमा नं. FT-86/2019 सन् 2019

हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
11/19	<p>वकील प्राचीगण श्री मजनाताम ने हाजिर अदालत हेतु जा. पत्र टी. आई. पेश किया। अर्पना पत्र दर्ज रजिस्ट्र किया जाये। स्वयं पर वकील प्राचीगण एक पक्ष सुनी गई। पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व लेखों का अवलोकन किया गया। वरिष्ठ वकील प्राचीगण पर सगौर मन्त किया जिससे अर्पनागण को अर्पना टी. आई. से पाबन्द किया जाना न्यायसंगत उचित होता है।</p> <p>अतः अर्पनागण को आगामी तारीख पेशी तक जीपे अर्पना निवेद्यागण पाबन्द किया जाता है कि वास्तव धाराजी ख. नं. 1430, 1432, 1317, 1318/1, 1318/2 व 1318/3 तन ग्राम लावनी तहसील खण्डेला में स्थित रास्ता व लीव डील में हस्तक्षेप न करे। उक्त उल्लेखित आदेश का उल्लेख करते हुए अर्पनागण की तलबी जीपे सम्मन की जाकर मिसल दिनांक 17/12/19 को पेश हो</p> <p>17/12/19 पत्रावली पेश हुई। वकील प्राचीगण उपर। अर्पना सं. 1 रा 4 वावपुड सम्पत्त हाकिल दाखिल अदालत नहीं आये हैं। अतः इनके विरुद्ध रकमसहीब कार्यवाही अदालत में लानी जाती है। प्रकरण में वरिष्ठ जा. पत्र अर्पना निवेद्यागण सुनी गयी।</p>	<p>2861-64 21-11-19</p>



परवस वस पापी ने अपने पाठपत्र में अंकित  
 लघुओं को दोहराते हुए प्रार्थना पर स्वीकार  
 कर अप्रार्थीगण को तद्विरुद्ध फौजदारी वाद  
 अस्पाई विषेधाज्ञा से पावक करमाये जाने  
 का निवेदन किया। पत्रावली व पत्रावली पर  
 उपलब्ध शान्ति रिकार्ड का अवलोकन किया  
 गया एवं वस वकील प्रार्थीगण पर सजोर  
 मनन किया गया। -पुंदि प्रार्थीगण विवादित  
 आरापी के रिकार्ड खतेदार हैं। ऐसी स्थिति  
 में अस्पाई विषेधाज्ञा जारी करने जाने के  
 लिये तीनों विन्दु यथा पृष्ठ 127 मा प्रमाण  
 सुविधा का संतुलन एवं अपूरणीय क्षति  
 प्रार्थीगण के पक्ष में पाये जाने पर अप्रार्थीगण  
 को तद्विरुद्ध फौजदारी विवाद गस्त आरापी  
 के सम्बन्ध में जारी अस्पाई विषेधाज्ञा पावक  
 किया जाता है कि वे वकीलगण से कबला  
 काश में मजामत नहीं करे, गलत नमशाही  
 आद में सीव डोल खुद-बुद नहीं करे, गलत  
 नमशाही आद में श्रुतियों को कृपि से अक्षुषि  
 में परिवर्तन नहीं करें, शास्त्र की गलत तरमीम  
 की आद में प्रबरन तथा शस्त्रा नहीं निकाले,  
 मोमे पर चालू रास्ता अवकूड नहीं करे। परिवारी  
 नं. 2 ता 4 गलत शान्ति रिकार्ड व गलत  
 नमशाही आद में वकीलगण के किस्म कोड  
 कार्यवाही नहीं करे, ना ही अपने कारमुक्तियों



तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तालीम में जारी हुए
	<p>           से क़र्वावे; मौम व रिफ़ाई की यथास्थिति            बनाये रहे। पत्रावली फ़ैतल शुमार होकर            नम्बर से कम हो तथा बाद तकमिल दाखिल            दफ़्तर हो। यह निर्णय आज दिनांक 17/12/19            को मेरे द्वारा खुले न्यायालय में सुनाया            गया।              (राजीव सिंह)            सहायक कलेक्टर            (फ़ाट डेक) खण्डेला         </p>	